"गुरु पूजा दिवस गीत"

सन्देशा है ये खुशियों का, सुनके हर दिल मुस्काया है।
करने उद्धार हमारा ये, धरती पे सत्गुरु आया है।
सन्देशा है ये खुशियों का .....

जब जब है पुकारा मानव ने, धरती पे सत्गुरु आया है
भरमों को दूर किया इसने, और ज्ञान का दीप जलाया है।
जब जब मानवता है हारी (२), ये बनके मसीहा आया है
है आज भी बीच हमारे ये, हरदेव गुरु कहाया है।
सन्देशा है ये खुशियों का.....

दुनिया के कोने कोने में, सच्चाई का प्रचार किया
दिन रात ही सफर किये जाये, इस मिशन का यूँ विस्तार किया।
छोटी सी उमर से ही जीवन (२), उपकार मे ऐसे लगाया है
सारे संसार को ही अपना, परिवार ये ऐसे बनाया है।
सन्देशा है ये खुशियों का .....

सच के बैरी कुछ बन्दो ने, धरती को लहू लुहान किया
सच की खातिर गुरुबचन ने , अपने जीवन का बलिदान दिया।
बदले में करके रक्तदान (२), इक नया ही चलन चलाया है
हरदेव गुरु ने बैरी से भी, करना प्रेम सिखाया है।
सन्देशा है ये खुशियों का .....

व्यसनो से मुक्त सादा जीवन, उँचे विचार अपनाये हम
ना जात पात ना उँच नीच, सबको ही गले लगाये हम।
अपने करमो से आपने ही (२), सुन्दर समाज ये सजाया है
सामूहिक शादियाँ करवाके, हर भेद भाव को मिटाया है।
सन्देशा है ये खुशियों का.....

मौका है सुनहरा आओ हम, अनमोल ये समा गवाँये ना
रहमतें लुटाने आया ये, हम ही वंछित रह जायें ना।
करें कद्र आओ सत्गुरु की हम (२), ये हमारी खातिर आया है
सुख पायें 'दिलवर' वो जिसने, गुरु वचनो को अपनाया है।
सन्देशा है ये खुशियों का .....

सन्देशा है ये खुशियों का, सुनके हर दिल मुस्काया है।
करने उद्धार हमारा ये, धरती पे सत्गुरु आया है।
सन्देशा है ये .....

(तर्जः है प्रित जहाँ की रीत सदा.....भारत की बात सुनाता हूँ।)